

वार्तालाप-565, बंगलौर (कर्ना.), दिनांक 10.05.08

Disc.CD No.565, dated 10.5.08 at Bangalore (Karnatak)

समय: 00.35-02.35

जिज्ञासु: बाप चकमक है ना।

बाबा: हाँ, जी।

जिज्ञासु: चकमक माना?

बाबा: चकमक माना मैग्नेट, चुम्बक। बेसिक ज्ञान में चलते-चलते, जिन आत्माओं की बेसिकली कट उतर जाती है, फिर बाप जब प्रत्यक्ष होते हैं एडवांस नालेज में तो उन कट उतरी हुई आत्मा रूपी सुइयों को खींच लेते हैं। तो बाप चकमक हुआ ना। मैग्नेट है। जिनकी-जिनकी बेसिक नालेज में बेसिकली कट उतरती जाती है, उन बच्चों को एडवांस में खींचते जाते हैं। क्लास ट्रांसफर होता जाता है। जैसे प्राइमरी स्कूल के बच्चे हायर क्लासेज़ में ट्रांसफर होते जाते हैं।

दूसरा जिज्ञासु: बाबा, फिर आगे कहा-बाबा अभी इतना जोर से नहीं खींच रहा है। खींचने से झट बच्चे चले जाएंगे – ऐसा कहा।

बाबा: बेसिकली खींचा है ना। पूरा तो नहीं खींचा। पूरा तब खींचेंगे जब पूरी कट उतर जावेगी। अभी कट भी तो बेसिकली उतरी है ना। पूरी कट उतर जावे तो जोर से खींचेंगे।

दूसरा जिज्ञासु: तब निराकारी स्टेज बन जावेगी।

बाबा: हाँ, जी। अभी तो बनती है, फिर उतरती है, फिर चढ़ती है।

Time: 00.35-02.35

Student: The Father is *chakmak* (a magnet), isn't He?

Baba: Yes.

Student: What is meant by *chakmak*?

Baba: *Chakmak* means magnet. *Chumbak* (magnet). When the Father is revealed in the advance knowledge, He pulls the needle like souls whose *kat* (i.e. rust) is removed at a basic level while following the basic knowledge. So, the Father is a magnet, isn't He? He is a magnet. He goes on pulling all those children in the advance knowledge whose *kat* (i.e. rust) is removed at a basic level in the basic knowledge. Their class goes on being transferred. For example, children of primary school go on being transferred to higher classes.

Another student: Baba, then it was said further, "Now, Baba is not pulling [the children] with that much force. If He starts pulling (with force), the children will go immediately.

Baba: He has pulled [them] basically, hasn't He? He hasn't pulled [them] completely. He will pull [them] with full force, when the *kat* is removed totally. Now the *kat* has also been removed basically, hasn't it? When the *kat* is removed completely, then He will pull [the children] with full force.

Another student: We will attain the incorporeal stage then.

Baba: Yes. Now you attain it (the incorporeal stage), then you descend; then you rise up again.

**समय: 11.01-14.15**

**जिज्ञासु:** बाबा संगमयुग में डायमण्ड जैसा पुरुषार्थ करते हैं तो सतयुग में गोल्डन जैसा क्यों बनते हैं?

**बाबा:** डायमण्ड हीरे को कहा जाता है। और हीरा हीरो पार्टधारी को कहा जाता है। जो हीरो पार्टधारी है वो रचयिता है। रचयिता की स्टेज ऊँची या रचना की स्टेज ऊँची?

(सबने कहा: रचयिता की स्टेज।)

**बाबा:** वो हीरा है और वो सोना है। सतयुग में जो कृष्ण का जन्म होगा वो हीरे समान जन्म कहेंगे या सोने समान जन्म कहेंगे? वो सोने समान जन्म है। वो ऊँचा नहीं है। ब्राह्मणों का जन्म ऊँचा है क्योंकि बाप को पहचानते हैं। उनमें ज्ञान की रोशनी होती है। ऊँचे ते ऊँचा युग कौनसा है? सतयुग या संगमयुग? (सबने कहा: संगमयुग।)

**Time: 11.01-14.15**

**Student:** Baba, why do we become like gold in the Golden Age after making diamond like *purusharth* (spiritual effort) in the Confluence Age?

**Baba:** *Heera* is called a diamond. And the hero actor is called *heera*. The hero actor is the creator. Is the stage of the creator high or the stage of the creation high?  
(Everyone said: the stage of the creator.)

**Baba:** He (i.e. the creator) is a diamond and he (i.e. the creation) is gold. Will the birth of Krishna which takes place in the Golden Age be called a diamond like birth or a gold like birth? It is a gold-like birth. That is not high. The birth of the Brahmins is high because they recognize the Father. They have the light of knowledge. Which is the highest Age? Is it the Golden Age or the Confluence Age? (Everyone said: the Confluence Age).

**दूसरा जिज्ञासु:** बाबा, उनके पूछने का मतलब ये है – अभी डायमण्ड एज संगमयुग में पुरुषार्थ करते हैं। पुरुषार्थ करके उसकी प्रालब्ध और ऊँचा होना चाहिए ना। क्यों डाउन हो जाता है?

**बाबा:** डायमण्ड से ऊँचा और कुछ होता ही नहीं। ये चढ़ती कला का युग है। डायमण्ड में भी एक से एक ऊँचा डायमण्ड होता है। अंत में प्रत्यक्ष होता है मोस्ट पावरफुल बाप। पहले छोटे-छोटे हीरे प्रत्यक्ष होते हैं, और बाद में छुपा रुस्तम बाद में खुले। बाप प्रत्यक्ष होता है। इसलिए संगमयुग है चढ़ती कला का युग। इसका नाम है पुरुषोत्तम युग। छोटे में छोटा पहला हीरा प्रत्यक्ष होगा तो भी कहेंगे चढ़ती कला। दूसरा, तीसरा और बाद वाले हीरे प्रत्यक्ष होंगे तो भी कहेंगे चढ़ती कला। और लास्ट में ऊँच ते ऊँच बाप प्रत्यक्ष होगा तो भी कहेंगे चढ़ती कला।

**दूसरा जिज्ञासु:** सतयुग आने के साथ ही सब डाउन हो जाता है ना।

**बाबा:** विनाश ही हो जाता है डाउन क्या हो जाते? विनाश में सबको डाउन होना है या खड़े रहता है? एक के अलावा और सबका डाउन होना है। एक की गिरती कला कोई नहीं देख पाएगा।

**Another student:** Baba, what she wants to ask is: now, we make *purusharth* in the diamond age, the Confluence Age. So, after making *purusharth*, its fruit should be higher, shouldn't it? Then why does it (the stage) go down?

**Baba:** There is nothing higher than a diamond at all. This is the age of *chadhti kalaa* (increasing celestial degrees). Even in diamonds, there are diamonds one better than the other. The most

powerful Father is revealed in the end. Initially, the small diamonds are revealed and later? *Chupa rustam baad mein khule* (The hidden *rustam*<sup>1</sup> is revealed in the end). The Father is revealed. This is why the Confluence Age is the age of *chadhti kalaa*. Its name is *Purushottam Yug*<sup>2</sup>. Even if the smallest, the first diamond is revealed, it will be said [that it is] *chadhti kalaa*. Even if the second, third and latter diamonds are revealed, it will be said *chadhti kalaa*. And in the last, when the highest Father is revealed, even at that time it will be said, *chadhti kalaa*.

**Another student:** Everything becomes down with the arrival of the Golden Age.

**Baba:** Not just the stage goes down but the destruction itself takes place. Is everyone supposed to go down in the destruction or do they have to survive? Everyone except one has to go down. The *girti kalaa* (decreasing celestial degrees) of one [soul] will not be seen by anyone.

**समय: 14.22-15.12**

**जिज्ञासु:** मुरली में छह चित्र मुख्य हैं बोलते हैं। कौनसे ?

**बाबा:** हाँ, पांच चित्र तो हैं ही हैं। त्रिमूर्ति, गोला, झाड़, सीढ़ी और लक्ष्मी-नारायण। और छठा चित्र बत्तीस किरणों वाला चित्र भी दिया हुआ है शिवबाबा का। अगर वो नहीं है तो कृष्ण का चित्र है – नरक को लात मार रहा है, स्वर्ग आ रहा है हथेली पर। इसीलिए ५ और ६ चित्र बताये हैं मुख्य।

**Time: 14.22-15.12**

**Student:** In the *murlis* it is said that there are six main pictures. Which are those?

**Baba:** Yes, there are five pictures [that are main] anyway. Trimurty, World Drama Wheel, Kalpa Tree, Ladder and Lakshmi-Narayan and the sixth picture is of Shivraba with 32 rays. If that is not the sixth picture, then it is the picture of Krishna – he is kicking hell and heaven is coming on his palm. This is why five - six pictures were said to be the main [pictures].

**समय: 15.20-15.45**

**जिज्ञासु:** ब्राह्मणी किसको कहते हैं?

**बाबा:** जो अक्वल नंबर ब्राह्मण को फालो करे सो ब्राह्मणी।

**Time: 15.20-15.45**

**Student:** Who is called a *brahmani*?

**Baba:** The one who follows the number one *brahmin* is called *brahmani*.

**समय: 18.00-25.50**

**जिज्ञासु:** कन्यकापरमेश्वरी का क्या अर्थ है?

**बाबा:** कन्यकापरमेश्वरी। कन्याओं की परम ईश्वरी। जो भी कन्याएं हैं १६०००, जैसे कहते हैं मक्खियों की रानी। तो शहद की मक्खियां तो सारी ही हैं। १६००० शहद की मक्खियाँ हैं। एक मक्खी उड़ती है तो उसके पीछे-पीछे सारा झाड़ जाता है। तो कन्यकापरमेश्वरी कौन हुई? वो ही वैष्णवी देवी कन्याओं की परमेश्वरी हो गई। अब वो कन्याएं चाहे महाकाली का पार्ट बजाने वाली हों, चाहे महागौरी का पार्ट बजाने वाली हों। हैं तो नम्बरवार।

<sup>1</sup> The hero

<sup>2</sup> The age in which the best among the souls is revealed

**दूसरा जिज्ञासु:** वो देवी की पूजा जो है वो कलियुग का आदि से दिखाया है।

**बाबा:** तो क्या हुआ?

**दूसरा जिज्ञासु:** द्वापरयुग का शुरु से दिखाना चाहिए ना।

**बाबा:** शुरु से क्यों दिखाना चाहिए? जबसे प्रत्यक्षता होने का निश्चय लिया होगा तभी से तो दिखाई जाएगी। द्वापरयुगी शूटिंग में ये निश्चय पैदा किया था या कलियुगी शूटिंग से ये निश्चय पैदा किया? कन्यकापरमेश्वरी ने जो निश्चय पैदा किया एडवांस में जाने का, वो कबसे पैदा किया?

**दूसरा जिज्ञासु:** कलियुगी शूटिंग से।

**Time: 18.00-25.50**

**Student:** What is the meaning of Kanyakaparmeshwari (a female Hindu deity worshipped in South India)?

**Baba:** Kanyakaparmeshwari. The supreme goddess (*param ishwari*) of virgins (*kanya*). All the 16,000 virgins; for example, it is said, the queen bee. So, all are honey-bees indeed. There are 16000 honey bees. When one bee flies, the entire group follows it. So, who is Kanyakaparmeshwari? That same Vaishnavi devi is the *parmeshwari* of the virgins. Well, whether the virgins play the part of Mahakali (the darkest one) or of Mahagauri<sup>3</sup> (the fairest one), they are anyway number wise.

**Another student:** The worship of that *devi* (female deity) has been shown from the beginning of the Iron Age.

**Baba:** So, what?

**The other student:** It should be shown from the beginning [of the Copper Age], shouldn't it?

**Baba:** Why should it be shown from the beginning? It (the worship) will be shown only from the time she decided to reveal herself. Did she develop this faith in the shooting of the Copper Age or from the shooting of the Iron Age? When did Kanyakaparmeshwari take the decision to enter the advance (knowledge)?

**Student:** From the shooting of the Iron Age.

**बाबा:** कलियुग की शूटिंग से ये निश्चय पैदा किया कि हमको अब उस तरफ जाना ही है।

पूजा का आधार क्या है? प्योरिटी। जब तक बुद्धि में ये बात बैठी नहीं है कि दृष्टि देने से पतन होता है, मनुष्य मनुष्य को दृष्टि देगा और दृष्टि लेगा तो पतन होगा या पावन बनेगा? (सभी-पतन होगा।) ज्ञान जब चारों तरफ फैल जाता है, एडवांस ज्ञान, बेसिक में चारों तरफ चोरबाज़ारी होने लगती है तो विदेशों में भी फैल जाता है। तो जब ये कान में आवाज़ पड़ती है कि मनुष्य-मनुष्य को दृष्टि देते-देते पतित हो पड़ा। इन्द्रियों का मेल होने से संग का रंग लगता है या नहीं लगता है? संग का रंग लगता है। तो मनुष्य से मनुष्य की दृष्टि नहीं सुधर सकती। ये परमपिता परमात्मा ही है जिसकी दृष्टि से सारी सृष्टि सुधर जाती है। ये बात बुद्धि में बैठती है तो द्वापरयुग के आदि में बैठती है, त्रेता के आदि की शूटिंग में बैठती है, सतयुग आदि की शूटिंग में बैठती है या कलियुग अंत में बैठती है? (सभी-कलियुग अंत में।) ज्यों-ज्यों सर्विस का क्षेत्र बढ़ता जावेगा, त्यों-त्यों आवाज़ फैलती जाती है।

<sup>3</sup> Mahakali and Mahagauri: the names of female deities

**Baba:** She develop this faith from the shooting of the Iron Age that now she has to certainly go on that side .

What is the basis of worship? Purity. Until this topic has sat in her intellect that giving *drishti* leads to downfall. If a human being gives *drishti* to human beings will it lead to downfall or will he become pure?

(Everyone: it will lead to downfall.) When the knowledge spreads everywhere, when the smuggling of advance knowledge takes place everywhere in the basic (knowledge), then it spreads to the foreign countries as well. So, when the sound reaches the ears that human being has become sinful by giving *drishti* to human beings; does someone get coloured by the company or not when the bodily organs (of two persons) meet? The colour of company is applied. So, the vision of a human being cannot reform through the vision of another human being. It is the Supreme Father Supreme Soul alone whose *drishti* reforms the entire world. This topic sits in her intellect; so, does it sit in her intellect in the beginning of the Copper Age, in the shooting of the beginning of the Silver Age, in the shooting of the beginning of the Golden Age or does it sit [in her intellect] at the end of the Iron Age? As the field of service expands, the sound goes on spreading.

**दूसरा जिज्ञासु:** तो ऐसे दृष्टि से संग का रंग लगता है...

**बाबा:** हाँ, जी।

**दूसरा जिज्ञासु:** वृत्ति से भी लगता है ना।

**बाबा:** वृत्ति तो और ही ऊँची चीज़ है।

**दूसरा जिज्ञासु:** इससे और ज्यादा लगता है।

**बाबा:** और ज्यादा तेज़ी से आगे बढ़ता है समाज।

**दूसरा जिज्ञासु:** तो वृत्ति माना मन के संकल्पों से ही तो मंसा सेवा चलता है।

**बाबा:** मन के संकल्प तो तभी शुद्ध होंगे जब दृष्टि शुद्ध होगी। दृष्टि ही पावन नहीं बनी है तो मन के संकल्प कहाँ से पावन बन जावेंगे? दृष्टि घड़ी-घड़ी चंचल होती रहती है। तो वायब्रेशन शुद्ध हो जावेंगे?

**दूसरा जिज्ञासु:** फिर भी दोनों का अरस-परस है ना।

**बाबा:** उसमें सूक्ष्म ज्यादा कौन है?

**दूसरा जिज्ञासु:** वृत्ति।

**बाबा:** वृत्ति ज्यादा सूक्ष्म है। तो पहले किसका सुधार होगा? वृत्ति का पहले सुधार होगा?

**सबने कहा:** दृष्टि।

**बाबा:** पहले दृष्टि कंट्रोल में आवेगी या पहले वृत्ति कंट्रोल में आवेगी?

**दूसरा जिज्ञासु:** दृष्टि को भी कंट्रोल करने वाला वृत्ति है ना।

**Student:** So, just as the colour of the company is applied through *drishti*....

**Baba:** Yes.

**Student:** Vibrations (*vritti*) also apply (the colour of the company), don't they?

**Baba:** Vibration is a higher thing.

**Student:** It applies (the colour of the company) even more.

**Baba:** The society moves faster (in the direction of downfall).

**Student:** So, the *mansa seva* (service through the mind) takes place only through the vibrations i.e. the thoughts of the mind, doesn't it?

**Baba:** The thoughts of the mind will become pure only when the vision becomes pure. When the vision itself has not become pure, how will the thoughts of the mind become pure? The vision becomes inconstant again and again. So, will the vibrations become pure?

**Student:** Still both are inter-dependent, aren't they?

**Baba:** Which one is subtler among them?

**Student:** *Vritti* (vibrations).

**Baba:** The vibrations are subtler. So, what will reform first? Will the vibrations reform first?

**Everyone said:** The vision.

**Baba:** Will the vision come under control first or will the vibrations come under control first?

**Student:** It is the vibrations which control the vision, isn't it?

**बाबा:** और वृत्ति को कंट्रोल करने वाला कौन है? वृत्ति को कंट्रोल करने वाला कौन है?

**जिज्ञासु:** आत्मा।

**बाबा:** वो कौन आत्मा? आत्माओं में भी कोई आत्मा होगी जो वृत्ति को कंट्रोल करने की पहले-पहले निमित्त बने। (किसी ने कुछ कहा) हाँ, तो जो आत्मा निमित्त है वो पहले। इसलिए बोला कि विजयमाला का आवाहन करो। तो आवाहन करने वाले नंबरवार होंगे या एक जैसे होंगे? (सभी-नम्बरवार।)

**दूसरा जिज्ञासु:** तो फिर बाबा उतना ऊंचा दर्जा देते हैं फिर कलियुग के शुरुआत में क्यों पूजा होता है? द्वापर के आदि से ही पूजा होना चाहिए ना।

**बाबा:** जैसे गणेश है, जैसे हनुमान है। इनकी पूजा कहाँ होती है?

**दूसरा जिज्ञासु:** कलियुग में।

**बाबा:** कलियुग के आदि में। ये किसकी यादगार है?

**Baba:** And who controls the vibrations? Who controls the vibrations?

**Student:** The soul.

**Baba:** Who is that soul? There must be a soul among all the souls which becomes an instrument in controlling the vibrations first of all. (Someone said something) Yes. So, the soul which becomes the instrument is first. This is why it has been said, invoke the *Vijaymala*<sup>4</sup>. So, will those who invoke her be number wise (according to their rank) or will they be alike? (Everyone: number wise.)

**Student:** So, when Baba gives her such a high status then why is she worshipped at the beginning of the Iron Age? Her worship should take place from the beginning of the Copper Age itself, shouldn't it?

**Baba:** For example, Ganesh, Hanuman. When are they worshipped?

**Student:** In the Iron Age.

**Baba:** In the beginning of the Iron Age. It is a memorial of what?

**Student:** Of the Confluence Age.

---

<sup>4</sup> Rosary of victory

ये गणेश, हनुमान कौन विशेष आत्माएं हैं जो पहले-पहले नंबर के गणेश और पहले-पहले नंबर के हनुमान हैं? राम और कृष्ण। वो अक्वल नंबर आत्माएं वो हैं। जो अक्वल नंबर के गणेश और अक्वल नंबर के हनुमान का पार्ट बजाते हैं। ऐसे ही महाकाली और महागौरी का भी पार्ट है।

**दूसरा जिज्ञासु:** माना द्वापरयुग का आदि से अंत तक सिर्फ निराकार की उपासना ही चलती है।

**बाबा:** निराकार की उपासना क्यों चलती है? निराकार की कहीं उपासना होती है? निराकार को तो याद किया जाता है। साकार की उपासना होती है। उपासना माना पूजा। उप। उप माने नज़दीक। आसना माना बैठना। नज़दीक बैठा जाता है, नज़दीक जाके बैठने की जहाँ बात होती है तो साकार के नज़दीक बैठेंगे या निराकार के नज़दीक बैठेंगे? साकार होगा तो नज़दीक बैठेंगे। उसको कहा जाता है उपासना।

**Baba:** Who are the special souls who are the No.1 Ganesh and Hanuman? Ram and Krishna. They are the number one souls, who play the part of the No.1 Ganesh and Hanuman. Similar is the part of Mahakali and Mahagauri.

**Student:** It means that the worship (*upaasnaa*) of only the incorporeal one takes place from the beginning of the Copper Age to the end.

**Baba:** Why does the worship of the incorporeal one take place? Is the incorporeal one worshipped anywhere? The incorporeal one is remembered. The corporeal one is worshipped. *Upaasnaa* means worship. *Up*. *Up* means close. *Aasnaa* means sitting. Sitting close. When there is the subject of sitting close, will someone sit close to the corporeal one or to the incorporeal one?

**Everyone said:** The corporeal one.

**Baba:** If He is corporeal, someone can sit close to him. That is called *upaasnaa*.

**दूसरा जिज्ञासु:** चैतन्य में तो राम-कृष्ण आत्माओं के साथ-साथ रहते हैं।

**बाबा:** वो तो द्वापरयुग से ही रहते हैं। रहने वाले द्वापरयुग से ही रहते हैं। कोई जरूरी नहीं है कलियुग से ही रहते हैं।

**दूसरा जिज्ञासु:** द्वापर के आदि से शिवलिंग की पूजा शुरू होती है ना।

**बाबा:** वो गणेश और हनुमान हैं। उनका रूप बदल गया। राम-कृष्ण की आत्माएं भी तामसी बन जाती हैं जानवरों जैसी।

**दूसरा जिज्ञासु:** कलियुग में आते-आते।

**बाबा:** हाँ, जी। ऐसे ही कन्यकापरमेश्वरी है।

**दूसरा जिज्ञासु:** द्वापर का रूप भी उनका अलग होगा?

**बाबा:** द्वापर का रूप सतोप्रधान है। महागौरी।

**Student:** We live with the souls of Ram and Krishna in a living form.

**Baba:** You live (with them) from the Copper Age itself. Those who have to live (with them) live with them from the Copper Age itself. It is not necessary that they live (with them) from the Iron Age.

**Student:** The worship of the *Shivling* takes place from the beginning of the Copper Age, doesn't it?



**Baba:** They are Ganesh and Hanuman. Their form has changed. Even the souls of Ram and Krishna become degraded like the animals.

**Student:** By the time Iron Age begins.

**Baba:** Yes. Similar is the case with Kanyakaparmeshwari.

**Student:** Her form will be different in the Copper Age as well.

**Baba:** Her form of the Copper Age is *satopradhan*<sup>5</sup>. Mahagauri.

**समय: 27.15-28.10**

**जिज्ञासु:** बाबा, मुरली में एक-एक प्वाइंट को पैसा कहा जाता है।

**दूसरा जिज्ञासु:** धन कहा जाता है।

**बाबा:** धन कहा जाता है। हाँ।

**जिज्ञासु:** तो आज की बाहर की दुनिया में जो रुपयों की कीमत कम ज्यादा हो रही है तो ये ज्ञान में शूटिंग....

**बाबा:** तो अब मुरली की धारणा कम होती जा रही है या ज्यादा हो रही है?

**जिज्ञासु:** इंडियन करेंसी बढ़ रही है।

**बाबा:** हाँ, हाँ। मुरली की धारणा जो है वो पहले के मुकाबले कम हो रही है या ज्यादा हो रही है? (किसी ने कहा: ज्यादा हो रही है) ज्यादा हो रही है? वैल्यू कम होती जा रही है। जैसे-जैसे तमोप्रधान होते जा रहे हैं वैसे-वैसे भगवान की वाणी की वैल्यू भी कम होती जा रही है। परन्तु फिर भी विदेशी करेंसी के मुकाबले जास्ती बढ़ती जा रही है।

**Time: 27.15-28.10**

**Student:** Baba, every point of the *murli* is called money.

**Another student:** It is called wealth.

**Baba:** It is called wealth. Yes.

**Student:** So, in today's outside world, the value of rupee is decreasing and increasing. So, its shooting in knowledge.....

**Baba:** So now, is the assimilation of *murli* increasing or decreasing?

**Student:** The (value of) Indian currency is increasing.

**Baba:** Yes, yes. Is the assimilation of *murli* decreasing or increasing when compared to the past? (Someone said: it is increasing.) Is it increasing? The value is decreasing. As the people are becoming *tamopradhan*<sup>6</sup>, the value of God's versions is also decreasing. But still its value is increasing when compared to the foreign currency.

**समय: 30.37-32.23**

**जिज्ञासु:** बाबा, एक भाई का सवाल है कि मंदिर, गिरिजाघर और अन्य ऐसे स्थानों पर पुरुष और स्त्री सारे जाते हैं।

**बाबा:** पुरुष और स्त्री। हाँ।

**जिज्ञासु:** तो मस्जिद में स्त्रियाँ क्यों नहीं जाती?

<sup>5</sup> Consisting in the quality of goodness and purity

<sup>6</sup> Dominated by darkness or ignorance



**बाबा:** सबसे जास्ती बंधन में स्त्रियाँ मुसलमान धर्म में हैं या कोई दूसरे धर्म में हैं? स्त्रियों को सबसे जास्ती बंधन कौनसे धर्म में डाला गया है? मुसलमान धर्म में डाला गया है। यही कारण है कि मस्जिद में स्त्रियों को कोई स्थान नहीं है।

**Time: 30.37-32.23**

**Student:** Baba, a brother has asked a question: both men and women go to temples, churches and other such places.

**Baba:** Men and women. Yes.

**Student:** Then, why don't the women go to the mosques?

**Baba:** Are the women in bondage the most in the Muslim religion or in any other religion? Which religion creates maximum bondage for women? It is in the Muslim religion. This is the very reason that there is no place for women in the mosques.

तुम पुरुषार्थ नहीं कर सकती हो। भले जो कहते हैं कि तुम पुरुषार्थ नहीं कर सकती हो वो खुद ही उनको गंद में डाले रहते हैं। गंद से उबरने का मौका ही नहीं देते। महाकामी हैं। इसलिए मस्जिद में स्त्रियों को मौका नहीं दिया जाता इबादत करने का।

**दूसरा जिज्ञासु:** मुस्लिम कंट्रीज़ में स्त्रियों के लिए अलग मस्जिद है ।

**बाबा:** अरे यहाँ तो भारत की बात कर रहे हैं।

[They think:] “You cannot make *purusharth*”. Although those who say, ‘you cannot make *purusharth*’ themselves put them in dirt; they do not give them a chance to come out of the dirt at all. They are very lustful. This is why women are not given a chance to worship in the mosques.

**Another Student:** There are separate mosques for women in the Muslim countries.

**Baba:** *Arey*, here, we are talking about India.

**समय: 32.29-32.52**

**जिज्ञासु:** पान का बीड़ा माना क्या?

**बाबा:** पान का बीड़ा उठाना। पान का बीड़ा उठाना माना कोई प्रतिज्ञा कर लेना कि हम ऐसा करके दिखावेंगे।

**Time: 32.29-32.52**

**Student:** What is the meaning of ‘*paan ka beera*’.

**Baba:** *Paan ka beera uthana* means to take some vow: “I will do this”.

**समय: 33.02-33.43**

**जिज्ञासु:** पिछले जन्म की स्मृति आने के लिए हमें क्या करना चाहिए?

**बाबा:** पुरुषार्थ करो जोर से। आत्मा बिन्दी बन जाओ तो सारे जन्मों की स्मृति आ जाएगी। देहभान में आ जाती है आत्मा तो पिछले जन्मों को भूल जाती है। आत्माभिमान बन जावेगी, देह

---

<sup>7</sup> In olden times anyone coming forward to accomplish a difficult task used to be offered beetle leaves as a token of having accepted the challenge

की स्मृति भूल जावेगी, देह, देह के संबंधी, देह के पदार्थ याद आना बंद हो जाएंगे तो पूर्व जन्मों की स्मृति भी आने लगेगी। पुरुषार्थ तो एक ही है: अपन को आत्मा समझ बाप को याद करो।

**Time: 33.02-33.43**

**Student:** What should we do to recollect our past birth?

**Baba:** Make intense *purusharth*. Become a point soul, then you will recollect the all the births. When a soul becomes body conscious, it forgets the past births. When it becomes soul conscious, when it forgets the remembrance of the body, when it stops remembering the body, the relatives of the body, the materials related to the body, then you will also start recollecting the past births. There is only one *purusharth* (to be made): “Consider yourself to be a soul and remember the Father.

**समय: 35.52-39.10**

**जिज्ञासु:** बाबा, ये माया सभ्यता के कैलण्डर के अनुसार २०१२, दिसंबर २१ को महाविनाश हो जाएगा।

**बाबा:** हाँ।

**जिज्ञासु:** तो इंडिया टी.वी वाले दिखाए तो बी.के वाले उसको रिकार्ड करके रखे हैं।

**बाबा:** बी.के वालों ने रेकॉर्ड करके रखा है? बी.के वाले यो विनाश की सारी बातें रिकार्ड करके रखते हैं। सुनाते भी हैं लेकिन लेकिन अर्थ नहीं समझाए सकते। उसका सही अर्थ ये है कि ब्राह्मणों की संगमयुगी दुनिया में पहले पत्ते का जन्म कब हुआ? (किसी ने कहा – २०१८) दो हजार?

**जिज्ञासु:** २०१८

**बाबा:** नहीं। १८ तो बाद की तारीख हो गई। ये तो २०१२-१३ बता रहे हैं।

**जिज्ञासु:** लेकिन उस समय प्रत्यक्षता रूपी जन्म होता है क्या?

**बाबा:** किसका?

**जिज्ञासु:** उस टाइम में।

**बाबा:** २०१८ में?

**जिज्ञासु:** २०१२-१३ में।

**Time: 35.52-39.10**

**Student:** Baba, as per the calendar of the Mayan Civilization, the mega-destruction will take place on the 21<sup>st</sup> December, 2012.

**Baba:** Yes.

**Student:** So, when it was been telecast on TV in India, the BKs recorded it.

**Baba:** The Bks have recorded it? The BKs record everything related to destruction. They also narrate it but they cannot explain its meaning. Its correct meaning is that when did the birth of the first leaf take birth in the Confluence Age world of brahmins? (Someone said: 2018.) Two thousand?

**Student:** 2018.

**Baba:** No. 2018 is a later date. They are talking about 2012-13.

**Student:** But does the revelation like birth take place at that time?

**Baba:** Whose?

**Student:** At that time.

**Baba:** In 2018?

**Student:** In 2012-13.

**बाबा:** १२-१३ में जन्म की बात थोड़े ही बता रहे। वो तो विनाश की बात बता रहे हैं। अरे वो तो विनाश की बात कर रहे हैं। आप जन्म की बात कर रहे हैं। वो विनाश की बात कर रहे हैं। तो ब्राह्मणों की संगमयुगी दुनिया में पहला-पहला जन्म कब हुआ? पहले पत्ते का? (किसी ने कुछ कहा।) वो तो ब्राह्मणों का बेहद का जन्म है। जिसे यज्ञोपवीत कहा जाता है ब्राह्मणों का। (किसी ने कुछ कहा) नहीं। (किसीने कहा - 98) 98. 98 में जन्म हुआ। और जन्म होने के बाद आत्मा बंधन में आ गई देह के। इन्द्रियों का सुख भोगना शुरू कर दिया। देह के बंधन में आ गई। पाण्डवों के लिए वनवास कितने साल का दिखाया गया है? (जिज्ञासु- 12 साल।) रामायण में राम को वनवास कितने समय का दिखाया गया है? ये १३-१४ साल एक ही जैसा क्यों नहीं दिखाया गया? कहाँ की बात है? संगमयुग की बात है। तो १९९८ में १४ साल एड कर दो। कब होता है पूरा? **जिज्ञासु:** २०१२ में।

**बाबा:** २०१२-१३ में पूरा हो जाता है। वनवास पूरा होता है तो लड़ाई होगी कि नहीं होगी?

**जिज्ञासु:** जरूर होना चाहिए।

**बाबा:** विनाश तो कोई रोक पाएगा? नहीं रोक पाएगा। इसलिए ब्रह्माकुमारियां तो सिर्फ नोट करके रखती हैं, प्रूफ लेके रखती हैं दूसरों को दिखाने के लिए कि देखो विनाश होने वाला है। लेकिन उसका अर्थ नहीं बता सकती। आप तो उसका अर्थ बताय सकते हो।

**Baba:** They are not speaking about the birth in 2012-13. They are talking about destruction. Arey, they are talking about destruction. You are talking about the birth. They are talking about destruction. So, when did the first birth take place in the Confluence Age world of brahmins? Of the first leaf? (Someone said something.) That is the unlimited birth of the brahmins which is called the sacred thread ceremony (*yagyopavit*) of a brahmin. (Someone said something). No. (Someone said: 98.) 98. The birth took place in 98. And after being born the soul came under bondage of the body. It started experiencing the pleasure of the bodily organs. It came under the bondage of the body. How many years have the Pandavas been shown to have spent in forests? (Students: 12 years.) How many years is Ram shown to have spent in forests in Ramayana? Why has it not been shown uniformly as 13-14 years? It is about which time? It is about the Confluence Age. So, add 14 years to 1998. When does it finish?

**Student:** In 2012.

**Baba:** It finishes in 2012-13. When the forest-life ends, will war begin or not?

**Student:** It should definitely begin.

**Baba:** Will anyone be able to stop destruction? Nobody will be able to stop it. This is why the Brahmakumaris just note it down. They keep proofs to show to others: "Look, destruction is going to take place". But they cannot explain its meaning. You can explain its meaning.

**समय: 39.17-42.23**

**जिज्ञासु:** बाबा, बेल पत्र है ना। बेल पत्र क्यों पसन्द होता है शिव को?

**बाबा:** बेल पत्र शिवबाबा को इसलिए पसन्द होता है कि उसका नाम संस्कृत में है श्रीफल। किसका फल? (सबने कहा - श्री फल।) श्री फल। श्री कहते हैं लक्ष्मी को। लक्ष्मीजी का फल है। माने लक्ष्मी जब प्रत्यक्ष होती है तो त्रिदेव में से तीनों देवतायें प्रत्यक्ष हो जाते हैं और पूरे-पूरे शिव के ऊपर अर्पण हो जाते हैं। ये सृष्टि रूपी वृक्ष के तीन पत्ते हैं पहले-पहले। जिनके लिए अव्यक्त वाणी में बोला है – तीन सीट्स हैं। तीनों की प्रत्यक्षता रूपी जन्म होता है तो तीनों बच्चे जो पहले-पहले शिव के ऊपर अर्पण होते हैं; उनकी अर्पण होने की विशेषता कहाँ से आती है? लक्ष्मी से। इसलिए लक्ष्मी का फल कहा जाता है बेल और उसके पत्ते कहे जाते हैं बेल पत्र। जितने भी फल हैं, उन फलों में सबसे जास्ती पेट को दुरुस्त बनाने वाला फल कौनसा है? श्री फल, बेल। वो स्थूल पेट को दुरुस्त बनाता है और जो लक्ष्मी जी का बेहद का फल है... (किसी ने कहा- वो फल खाते नहीं हैं।) वो फल खाते नहीं हैं? कौन कहता है नहीं खाते हैं? बेल चाहे पक्का हो और बेल चाहे कच्चा हो उसका फल पेट के लिए बहुत मुफीद है। पेट की नसों नाडियों को दुरुस्त बना देता है, हेल्दी बनाय देता है। ऐसे ही लक्ष्मी के मुख से निकला हुआ जो ज्ञान फल है वो बुद्धि रूपी पेट को दुरुस्त बनाय देता है। इसलिए बाबा कहते हैं – कन्याओं-माताओं के मुख से ज्ञान सुनाना अच्छा है।

**Time: 39.17-42.23**

**Student:** Baba, there is the *Bel* leaf<sup>8</sup>, isn't there? Why does Shiva like the *Bel* leaves?

**Baba:** Shivbaba likes *Bel* leaves because its name in Sanskrit is *Shriphal*. Whose *phal* (fruit)? (Everyone said: *Shriphal*.) *Shriphal*. Lakshmi is called *Shri*. It is the fruit of Lakshmi. It means that when Lakshmi is revealed, then all the three deities of Trimurty are revealed and they dedicate themselves completely to Shiva. These are the first three leaves of the tree like world, for whom it has been said in the Avyakta vani, "There are three seats". When the revelation like birth of all the three of them takes place, all the three children dedicate themselves first of all to Shiva; from where does the specialty of dedicating themselves come in them? [It comes] from Lakshmi. This is why *Bel* is called the fruit of Lakshmi. And its leaves are called *Bel patra* (*Bel* leaves). Among all the fruits, which fruit makes the stomach healthy the most? [It is] *Shriphal*, *Bel*. It makes the physical stomach healthy. And the unlimited fruit of Lakshmi. (Someone said: that fruit is not eaten.) Don't people eat that fruit? Who says people don't eat it? Whether *Bel* is ripe or unripe, this fruit is very beneficial for the stomach. It makes the veins and arteries of the stomach healthy. It makes them healthy. Similarly, the fruit of knowledge that emerges from the mouth of Lakshmi makes the stomach like intellect healthy. This is why Baba says, "It is better if the virgins and mothers narrate knowledge".

**समय: 42.27-44.15**

**जिज्ञासु:** बाबा, एक सवाल है एक भाई का- आज के क्लास में एक प्वाइंट आया – दो ब्रह्मा। तो वो दो ब्रह्मा में फरक क्या है?

<sup>8</sup> Leaf of the Wood-apple tree

**बाबा:** एक सिर्फ ब्रह्मा है और एक है प्रजापिता ब्रह्मा। वो सिर्फ अम्मा है जिसके नाम पर ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय नाम पड़ता है। लेकिन बाबा मुरली में सुधार करते हैं बाद में। कहते हैं ब्रह्माकुमारी विद्यालय रांग हो जाता है। अम्मा थोड़े ही स्थापन करती है। वास्तव में स्थापना करने वाला सन् ३६ में ही आ गया था, बीजारोपण करने वाला या सन् ४७ से ब्रह्माकुमारी विद्यालय का फाउन्डेशन पड़ा? ३६ से ही पड़ चुका था। ये फर्क है ब्रह्मा में और प्रजापिता ब्रह्मा में। ब्रह्मा से होती है ब्राह्मण धर्म की स्थापना और प्रजापिता ब्रह्मा से ब्राह्मणों को वर्सा मिलता है। वर्सा देने वाला बाप होता है। अम्मा सिर्फ बच्चों को दूध पिलाती है, जन्म देती है, पालना करती है लेकिन वर्सा? वर्सा नहीं देती है।

**जिज्ञासु:** ब्राह्मण धर्म की स्थापना में भी प्रजापिता का हाथ होता है ना।

**बाबा:** बीजारोपण कहेंगे। जैसे बाप सिर्फ क्या करता है? बीज डालता है। बाकी सारा काम कौन करता है? अम्मा करती है।

**Time: 42.27-44.15**

**Student:** Baba, a brother has asked a question: a point was mentioned in today's class about two Brahmas. So, what is the difference between those two Brahmas?

**Baba:** One is just Brahma and the other is Prajapita Brahma. He (Brahma) is just a mother on whose name the name 'Brahmakumari Ishwariya Vishwavidyalay' is coined. But later on, Baba makes a correction in the *murli*. He says that [the name] 'Brahmakumari Vidyalay' is wrong. A mother does not bring about the establishment. Actually, had the one who establishes come in 36 itself, the one who sows the seed or was the foundation of Brahmakumari Vidyalay laid from 47? It was laid in 36 itself. This is the difference between Brahma and Prajapita Brahma. The establishment of the Brahmin religion takes place through Brahma. And the brahmins get the inheritance from Prajapita Brahma. The father gives inheritance. The mother just feeds her children with milk, gives birth to them, and takes care of them, but what about the inheritance? She does not give the inheritance.

**Student:** Prajapita is also involved in the establishment of the Brahmin religion, isn't he?

**Baba:** It will be called the sowing of seed. For example, what is the only task that a father performs? He sows the seed. Who performs the rest of the work? The mother.

**समय: 44.22-47.00**

**जिज्ञासु:** बाबा, ये पूछ रही है: अक्का महादेवी चेन्नामल्लिकार्जुन को की पूजा करती है।

**बाबा:** मल्लिकार्जुन भी तो शिव ही है। अक्का महादेवी कोई दूसरी थोड़े ही है। अक्कैया किसे कहते हैं? अक्कय्या तेलुगु में किसे कहते हैं? बड़ी बहन को। तो यहाँ भी बड़ी बहन कौन है? जो भी ब्राह्मणियाँ हैं, उन ब्राह्मणियों में बड़ी बहन कौन है? जगदम्बा ही बड़ी बहन है। वो ही अक्का महादेवी है। जगदम्बा ही महाकाली का रूप धारण करती है। वो महाकाली के माथे पर जो चित्र रखा हुआ है, वो किसका चित्र है? शंकर का चित्र है। महाकाल का चित्र रखा हुआ है। वो महाकाल की महाकाली है। जैसे शंकर को बाल लंबे-चौड़े दिखाए जाते हैं। ऐसे ही महाकाली को भी, अक्का महादेवी को भी लंबे-चौड़े बाल दिखाए जाते हैं। वो लंबे चौड़े बाल अगर फिकेर के खड़ी हो जाए तो ऐसे लगेगी जैसे मुसलमानों की महाकाली होती है बुर्खा पहनने वाली।

**Time: 44.22-47.00**

**Student:** Baba, she is asking, Akka Mahadevi worships Chennamallikarjun.

**Baba:** Mallikarjun is also Shiva. Akka Mahadevi is not someone else. Who is called *Akkaiyya*? Who is called *Akkaiyya* in Telugu? The elder sister. So, who is the elder sister here as well? Who is the elder sister among all the *Brahmanis*? Jagdamba is the elder sister. She herself is Akka Mahadevi. It is Jagdamba herself who takes on the form of Mahakali. The picture that has been shown on the forehead of Mahakali; whose picture is it? It is the picture of Shankar. The picture of Mahaakaal has been placed. She is Mahakali of that Mahakal. Just like, Shankar is shown to have long hair, Mahakali, Akka Mahadevi is also shown to have long hair. If she unties her long hair, she will look like the Mahakali of the Muslims who wears a *burkha*<sup>9</sup>.

**दूसरा जिज्ञासु:** बाबा वो अक्का महादेवी के साथ बसवण्णा करके एक होता है।

**बाबा:** हाँ, बसु किसे कहते हैं? वसु माने क्या? अरे? वसु माने धन संपत्ति और उससे बनता है बसवण्णा। धन संपत्ति वाले जितने भी हैं उनका अन्नैय्या कौन? (किसी ने कहा – प्रजापिता।) अन्ना माने क्या? बड़ा भाई। तो जितने भी ज्ञान धन संपत्ति वाले रुद्र माला के मणके हैं, उनका अन्नैय्या कौन? प्रजापिता। वो हो गया बसवण्णा। अब छोटी-छोटी बातों को भी पूछने लग पड़ते हैं।

**दूसरा जिज्ञासु:** नहीं बाबा, कल हुआ बसव जयंती।

**बाबा:** हाँ, हाँ, पहले जयंती हुई फिर बाद में नामकरण हुआ।

**Another Student:** Baba, there is a Basavanna with Akka Mahadevi.

**Baba:** Yes, what is called Basu? What is meant by vasu? Arey? Vasu means wealth and property. And it forms [the word], Basavanna. Who is the *Annaiyya* of all those who have wealth and property? (Someone said: Prajapita.) What is meant by *Anna*? The elder brother. Who is the elder brother of all the beads of *Rudramala* who possess the wealth of knowledge? Prajapita. He is Basavanna. You start asking simple things too.

**Another student:** No Baba, *Basava Jayanti* was celebrated yesterday.

**Baba:** Yes, yes, first his *jayanti* (birthday) took place and then he was named.

**समय: 47.14-51.42**

**जिज्ञासु:** लौकिक में कोई रिश्तेदार मरता है तो ११-१५ दिन तक कोई कपड़ा नहीं छूना, ये नहीं छूना, ऐसे कहते हैं।

**बाबा:** कर्मकांड करते रहते हैं। कई चौथे दिन करते हैं, कई ११वें दिन करते हैं, कई १३वें दिन करते हैं। यहाँ मरना किसे कहा जाता है? जीतेजी देहअभिमान से मरना मरना कहा जाता है। तुरंत मर जाते हैं या मरने के बाद कुछ टाइम लगता है? (किसी ने कहा – टाइम लगता है।) क्या टाइम लगता है? बाबा तो कहते हैं महात्मा ने शरीर छोड़ा, फट से जाकर दूसरे घर में जन्म ले लेती है। वास्तव में जो भी शरीर छोड़ता है उसके ४-५ महीने पहले से ही उसका गर्भपिण्ड तैयार हो जाता है। क्या? जो शरीर छोड़ने वाला होता है, शरीर छोड़ने के ४ महीने, ५ महीने पहले से ही उसका गर्भपिण्ड निर्जीव तैयार हो जाता है। और जब तैयार हो जाता है तब वो शरीर छोड़ता है। और

<sup>9</sup> A long veil reaching nearly to the feet, worn by Muslim women

शरीर छोड़ने के बाद ६ महीने के बाद वो जन्म लेता है। तुरंत जन्म नहीं लेता। तो कितना टाइम हो गया? ५ महीने वो और ६ महीने ये। ११वां दिन हो गया। उन्होंने महीने का हिसाब लगा दिया। फिर भक्तिमार्ग में दिन का हिसाब लगाए दिया। है वास्तव में कुछ भी नहीं। सारा हद की बातें उठाई हैं भक्तिमार्ग में।

**Time: 47.14-51.42**

**Student:** If any *loki* relative dies, people say, we should not touch any clothes or anything for 11-15 days.

**Baba:** They keep following the rituals. Many do it on the fourth day; many on the 11<sup>th</sup> day. Many do it on the 13<sup>th</sup> day. Here, what is called dying? To die from body consciousness while being alive is called dying. Do they die immediately or does it take time? (Someone said: It takes time.) What time does it take? Baba says, a *Mahatma* (a great soul) left his body and it is born again in another home immediately. Actually, whoever leaves his body; his foetus gets ready 4-5 months before itself. What? Suppose someone is to leave his body; 4-5 months before he leaves the body, his non-living foetus gets ready. And when it gets ready, he leaves the body and after leaving the body, it is born after six months. It is not born immediately. So, how much time did it take? Those five months (before someone leaves the body) and these six months (after a soul enters the womb)? It is eleven days. They have calculated the months. Then, in the path of *bhakti*, they calculated days. Actually, it is nothing. In the path of *bhakti* they have picked up all the limited topics.

**जिज्ञासु:** पूछने का मतलब है – उसको मनाना या नहीं?

**बाबा:** हाँ! जो पूछते हैं उनकी इच्छा है, उन्हें मनाने दो। भक्ति करने के लिए किसी को मना नहीं करना है। ज्ञान सुनाते रहो।

**जिज्ञासु:** ज्ञान में भी मनाने को कहते हैं।

**बाबा:** ज्ञान में मनाने कि लिए नहीं कहते हैं। मनाना करना होता है भक्तिमार्ग में। ज्ञान में तो होता है याद करना। ज्ञान में याद करना है या मनाना करना है? याद करना है ज्ञान मार्ग में और भक्तिमार्ग में तो मनाते करते रहते हैं। यहाँ तो कुछ भी मनाना करना नहीं है। हाँ, शरीर छूट जाता है, अगर उसको ठिकाने नहीं लगाएंगे तो सड़ने लगेगा, बदबू मारने लगेगा, बीमारी फैलने लगेगी। इसलिए उससे बचाव करने के लिए क्या करना है? (किसी ने कहा – जला देना है।) या तो जला दो या तो जमीन में खोद के गाड़ दो। जब मरा पड़ेगा सारी दुनिया में तो जलाने के लिए लकड़ियाँ मिलेंगी? तब क्या करेंगे? (किसी ने कहा – जमीन में...।) जमीन में खोद-खोद के धड़-धड़ गाढ़ते जाएंगे।

**Student:** She means to ask whether we should follow it or not.

**Baba:** Those who ask have a desire (to follow it); so let them follow. Nobody should be prevented from doing *bhakti*. Go on narrating knowledge.

**Student:** We are asked to follow it even in knowledge.

**Baba:** You are not asked to follow it in knowledge. Practicing [rituals] etc. takes place in the path of *bhakti*. In knowledge we have to remember [the Father]. Should we remember [the Father] or should we practice [rituals] etc. in knowledge? We have to remember [the Father] in the path of knowledge and in the path of *bhakti* they keep on practicing [rituals] etc. Here, there is no need to practice [rituals] etc. Yes, if someone leaves the body [and] if you do not dispose it off then it will



start rotting, it will start giving bad odour, diseases will start spreading. This is why what should you do for prevention? (Someone said: burn it.) Either burn it or bury it by digging a grave in the earth. When mass deaths will take place in the entire world, then will you get wood for burning (the dead bodies)? What will they do then? Hm? (Someone said: in the earth....) They will go on digging graves in the earth and bury them.

**जिज्ञासु:** फिर वो करने के बाद तो स्नान आदि करना पड़ता है ना।

**बाबा:** वो तो गंदगी जब करोगे तो गंदगी के बाद स्नान नहीं करोगे? लेट्रिन जाने के बाद भी स्नान करते हैं। वो तो आदमी मर गया और उसको उठाने का, फूँकने का, छूने का, गंद लगता है कि नहीं?

**जिज्ञासु:** अच्छा वो तो ठीक है। सिर्फ देख के आ गया तो?

**बाबा:** तो भी आँखों में याद तो आता रहता है। ज्ञान स्नान करो।

**जिज्ञासु:** स्थूल स्नान करना चाहिए या नहीं?

**बाबा:** अरे यहाँ भक्तिमार्ग में सब होता है स्थूल और ज्ञानमार्ग में होता है सब? सूक्ष्म।

**Student:** Then after that we have to take bath, etc, haven't we?

**Baba:** When you become dirty, will you not bathe after coming in contact with it? You take a bath even after defecating. There a person has died, then doesn't one become dirty by lifting (the dead body), by burning it, by touching it?

**Student:** OK, that is correct. What if we just witness (the cremation) and come back?

**Baba:** Even then you keep remembering it through your eyes. Bathe in knowledge.

**Student:** Should we bathe physically or not?

**Baba:** Arey, here everything takes place physically in the path of *bhakti* and in the path of knowledge everything happens in a subtle [way].

**समय: 52.20-53.05**

**जिज्ञासु:** शादी होने का बाद बहुत साल हो गया तो भी बच्चे नहीं पैदा होते हैं। उसका मतलब क्या है ज्ञान में?

**बाबा:** इसका मतलब क्या है ज्ञान में? अरे शरीर का डिफेक्ट है तो बच्चे पैदा नहीं होते हैं।

**जिज्ञासु:** नहीं उसका आत्मा को हिसाब-किताब नहीं है।

**बाबा:** किनकी आत्मा को हिसाब-किताब? हिसाब-किताब तो हर बात में साथ चलता है।

**Time: 52.20-53.05**

**Student:** Some don't have children even after many years of marriage. What does it mean in knowledge?

**Baba:** What does it mean in knowledge? Arey, if there is a defect in the body, children are not born.

**Student:** No, does that soul not have any karmic accounts?

**Baba:** Karmic accounts of which soul? Karmic account is involved in everything.

**दूसरा जिज्ञासु:** नहीं, वो बोल रहे हैं जहाँ जीत वहाँ जन्म है ना।

**बाबा:** हाँ, जी।

**दूसरा जिज्ञासु:** फिर वो हिसाब-किताब उन आत्माओं का नहीं होगा।

**बाबा:** नहीं होगा इसलिए बच्चा पैदा नहीं हुआ। कारण कुछ भी बना हो।

**Second student:** No, she is saying that someone is born at the place where he gains victory, isn't it?

**Baba:** Yes.

**Second student:** Then will those souls not have a karmic account.

**Baba:** They may not have (karmic account); this is why the child was not born, whatever may be the reason (in a physical sense).

**समय: 54.35-59.00**

**जिज्ञासु:** बाबा, रुद्रमाला में गोप-गोपियां दोनों ही हैं या गोपियाँ विजयमाला में और गोप सिर्फ रुद्रमाला में हैं ?

**बाबा:** सही बात तो है। आत्मिक स्थिति से देखेंगे और दैहिक स्थिति से देखेंगे तो रुद्र माला में दैहिक स्थिति से पता चलता है कि कुछ स्त्री चोलाधारी हैं कुछ पुरुष चोलाधारी हैं। लेकिन अगर आत्मिक स्थिति से देखें तो सारे के सारे क्या हैं? (किसी ने कुछ कहा) ना, गोप हैं या गोपियाँ हैं? (सबने कहा – गोप।) सारे ही गोप हैं। सारे ही कंट्रोलर हैं। सारे ही पुरुष हैं, कठोर हैं। और विजयमाला में? भल पुरुष चोलेधारी भी हैं परन्तु भाव-स्वभाव-संस्कार से कोमल हैं या पुरुष अर्थात् कठोर हैं? सब कोमल हैं। इसलिए वो गोपियां हो गईं और इधर सारे गोप हो गए।

**Time: 54.35-59.00**

**Student:** Baba, are both *gops* (cow herds) and *gopis* (herd girls) included in the *Rudramala* or are the *gopis* in the *Vijaymala* and *gops* only in the *Rudramala*?

**Baba:** It is indeed correct. If you see in a soul conscious stage and if you see in a body conscious stage, then it can be known by seeing in a body conscious stage that in the *Rudramala* some are females and some are males, but if you see in a soul conscious stage, then what are all of them? (Someone said something) No, are they *gops* or *gopis*? (Everyone said: *gops*.) All are *gops*. All are controllers. All are men. They are strict. And in the *Vijaymala*? Although males are also present, but are they soft by nature and *sanskars* or are they men, i.e. strict? Everyone is soft. This is why they are *gopis*. And here, everyone is *gop*.

**दूसरा जिज्ञासु:** वो सेन्टर से बाहर निकालते हैं ना।

**बाबा:** सेन्टर से बाहर निकालते हैं? तो क्या हुआ?

**दूसरा जिज्ञासु:** उस समय जबरदस्ती करते हैं ना। ऐसा पूछ रहे हैं।

**बाबा:** बाहर निकालते समय?

**जिज्ञासु:** हाँ।

**बाबा:** किसको जबरदस्ती करते हैं?

**जिज्ञासु:** जिसको बाहर निकालते हैं उसको। बेसिक वाले गोपियाँ समझ रहे हैं। अभी बताया ना.....

**बाबा:** क्यों? गोपों को बाहर नहीं निकाला जाता?

**दूसरा जिज्ञासु:** नहीं, वो जोर करके बाहर निकालते हैं।

**बाबा:** हाँ, तो गोपों को नहीं निकाला जाता बाहर क्या? गोपियों को ही निकाला जाता है?

**जिज्ञासु:** नहीं बाबा, वो अधिकारी हुए ना उस समय।

**बाबा:** कौन?

**जिज्ञासु:** जो बाहर निकालते हैं....

**बाबा:** माना पाण्डवों को बाहर निकाला गया तो वो अधिकारी नहीं थे?

**Another student:** They drive us out from the centers, don't they?

**Baba:** They drive you out from the centers? So, what happened?

**Another student:** They force us at that time, don't they? This is what she is asking.

**Baba:** While driving you out?

**Student:** Yes.

**Baba:** Whom do they force?

**Student:** The ones whom they drive out. We are thinking that those who follow the basic knowledge are *gopis*. Just now it was said, wasn't it.....?

**Baba:** Why? Are the *gops* not driven out?

**Another student:** They drive us out forcibly.

**Baba:** Yes, so, aren't the *gops* driven out? Are only the *gopis* driven out?

**Student:** No Baba, they are controllers at that time, aren't they?

**Baba:** Who?

**Student:** Those who drive us out.

**Baba:** Does it mean that when the Pandavas were driven out, were they not controllers?

**दूसरा जिज्ञासु:** यहाँ गोपियों को विजयमाला बताए ना। ये माताजी....

**बाबा:** अरे, बाहर तो चाहे पुरुष हो और चाहे स्त्री हो, धक्का देके बाहर निकालना ये बाहुबल की निशानी हुई या आत्माभिमानियों की निशानी हुई? (सभी: बाहुबल।) तो जो बाहुबल दिखाकरके धक्का मारकरके निकाल देते हैं जिनको निकाला जाता है वो चाहे पुरुष हों और चाहे स्त्री हों पाण्डवों की लिस्ट में आ जाते हैं।

**जिज्ञासु:** नहीं वो गोपियां कैसे बनते हैं पूछ रहे हैं।

**बाबा:** ये क्या बात हुई। विजयमाला को धक्का देके बाहर नहीं निकालेंगे? वो भी धक्का देके बाहर निकाले जाएंगे तो पक्के पाण्डव कहे जाएंगे। नहीं तो पाण्डव सम्प्रदाय नहीं कहे जावेंगे। यहाँ भी धक्का देकरके जिनको बाहर निकाला गया वो पाण्डव सम्प्रदाय हुए। अगर धक्का देके बाहर नहीं निकाले गए इसका मतलब वो अंदर वहाँ सर्विस नहीं कर रहे हैं एडवांस की। इसलिए उनको धक्का नहीं दिया जा रहा है।

दूसरे जिज्ञासु ने कुछ कहा।

**Another student:** Here, the *gopis* have been said to be from the *Vijaymala*, haven't they? This mataji...

**Baba:** Arey, whether it is a male or a female, pushing and driving out someone – Is this an indication of physical power (*bahubal*) or of soul conscious people? (Everyone: *bahubal*.) So, those who push and drive away others by showing physical power; those who are driven away, whether they are male or female, they are included in the list of the Pandavas.

**Student:** No, she is asking, how do they (i.e. the BKs) become *gopis*?

**Baba:** What is this? Will the *Vijaymala* not be pushed and driven away? They will be called firm Pandavas when they are thrown out from there as well. Otherwise, they will not be called [those from] the Pandava community. Even here, those who were pushed and driven away are [those from] the Pandava community. If someone (i.e. a PBK) has not been pushed and driven away, then it means that they are not doing the service of the advance (knowledge) inside. This is why they are not being pushed out.

Another student said something.

**बाबा:** जो वहाँ अंदर रहे पड़े हैं, एडवांस ज्ञान ले लिया है लेकिन अंदर रहे पड़े हैं बेसिक में, वो जरूर वहाँ प्रत्यक्ष हो करके सेवा नहीं करते हैं एडवांस की। इसलिए वहाँ रहे पड़े हैं। चोर हैं। चोरी से रहे पड़े हैं। पाण्डवों को तो देशनिकाला मिलता ही है। अगर देशनिकाला न मिले तो पाण्डव नहीं कहे जा सकते। विजयमाला का गुप भी अगर बाहर न निकाला जाए, देश निकाला न मिले तो वो पाण्डव नहीं कहे जावेंगे। वो भी धड़ाके से सेवा करेंगे एडवांस की। तो बाहर निकाले जायेंगे या अंदर रह जायेंगे? बाहर निकाल दिए जाएंगे।

**Baba:** Those who are living there inside, those who have taken the advance knowledge, but are living amongst those who have basic knowledge; they are definitely not doing the service of the advance (party) openly there. This is why they are living there. They are thieves. They are living there stealthily. Pandavas are definitely banished. If they are not banished, they cannot be called Pandavas. Even if the group of *Vijaymala* is also not thrown out, not banished, they will not be called Pandavas. They will also do the service of the advance (party) openly. Then, will they be driven away or will they live inside? They will be driven out.

.....  
Note: The words in italics are Hindi words. Some words have been added in the brackets by the translator for better understanding of the translation.